(iv) Need for undertaking detailed epidemiologic and ecologic studies in Maharashtra State and Surat city.

(v) Training programmes to be introduced for plague surveillance and laboratory diagnosis.

(vi) Epidemiological analysis to determine the dynamics of transmission.

Possibilities of re-appearance of Plague in Gujarat

90. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of HAELTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that though the Plague epidemic appears to have been contained, medical experts in Gujarat had remained divided on many accounts about the possibilities of the disease appearing once again within a year or so, as per a report appearing in the "Hindustan Times", dated 15th October, 1994, entitled "Experts fear Plague may reoccur in Gujarat;

(b) if so, what are the facts in this regard; and

(c) what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c) The news report has come to the notice of Government. Active surveillance and effective preventive measures are expected to prevent resurgence. The State Government is also being supported in strengthening the institutional and laboratory facilities for investigation and diagnosis.

प्लेग का मुकाबला करने हेतु गुजरात को वित्तीय सहायता

91. श्री दिलीप सिंह जूदेव :
श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में सूरत में बड़े पैमाने पर न्यूमोनिक प्लेग फैला था और बडोदरा, भरूच, अहमदाबाद और राजकोट भी इस रोग की चपेट में आ गए थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस रोग से पीड़ित रोगियो और मृत व्यक्तियों की सही संख्या का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया गया है ;

(ग) यदि हा, तो इस सर्वेक्षण के क्या निष्कर्ष निकले है ;

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार ने इस रोग के उन्मूलन हेतु राज्य सरकार को धनराशि आवंटित की है ;

(ङ) क्या यह सच है कि राज्य सरकार ने इस रोग की रोकथाम करने और स्थिति से निपटने मे काफी लापरवाही बरती है ; और

(च) यदि हां, तो इसके क्या कारण है और क्या इस संबंध मे राज्य सरकार से कोई रिपोर्ट मांगी गई है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) सूरत मे न्यूमोनिक प्लेग फैला था ।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय सचारी रोग संस्थान के अनुसार गुजरात राज्य मे न्यूमोनिक प्लेग के लक्षण वाले 151 रोगी थे और इससे 52 मौते हुई थी ।

(घ) केन्द्रीय सरकार के दवाईयां, कीटनाशी और तकनीकी सहायता प्रदान की ।

(ङ) राज्य सरकार ने स्थिति को सम्हालने के लिए सभी सम्भव कदम उठाए । उनके कार्यों मे राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान ने अन्वेषणात्मक समर्थन प्रदान किया ।

(च) यह प्रश्न नही उठता ।

Fear of the outbreak of Leptospirosis

92. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the statement of Doctors

at a Conference of Indian Medical Association in New Delhi on 9th October, 1994 according to which another rat borne disease LEPTOSPIROSIS may be stalking the country; and

(b) if so, the action Government have taken to check the outbreak of the disease?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) National Institute of Communicable Diseases of this Ministry provides technical assistance to the States to investigate and contain leptospirosis cases whenever reported.

Adverse effects of anti-diarrhoeal Drugs

93. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item on page 10, cols. 2-8 of 'The Pioneer' (N.D.) dated the 1st October, 1994 under the caption 'Anti-diarrhoeals', cure worse than the disease', wherein it has been stated that anti-diarrhoeal drugs do more harm than benefits;

(b) if so, what is Government's reaction thereon; and

(c) the steps Government propose to take to ban such drugs?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Based on the recommendation of the Drugs Technical Advisory Board, Government have already initiated action to ban certain categories of anti-diarrhoeal drugs, which cannot stand ntific scrutiny for paediatric use. This includes Diphenoxylate.

प्लेग के रोगाणुओं को सुरक्षित रखा जाना

94. **श्री कैलाश नारायण सारंग: क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत कुछ महीनों में देश के किन-किन राज्यों में प्लेग से संक्रकित रोगी पाए गये और प्लेग से ग्रस्त रोगियों की राज्य-वार संख्या कितनी थी तथा इस रोग से कितने व्यक्तियों की मृत्यु हुई है ;

(ख) प्लेग के प्राप्त हुए रोगाणुओं को जांच हेतु कहां-कहां रखा गया है और क्या इन रोगाणुओं को समाप्त कर दिया गया है अथवा किसी विशेष स्थान पर सुरक्षित रखा गया है ; और

(ग) इन रोगाणुओं को सुरक्षित रखे जाने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द): (क) महाराष्ट्र गुजरात, दिल्ली, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संभावित रोगी पाए गए थे । ब्यौरा विवरण में दिया गया है ।

(ख) और (ग) स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा सभी प्रभावित स्थानों से रोगियों के रोग-विषयक नमूनों की जाच की गई है । थूक, रक्त, बुबो एस्पीरेटस आदि जैसे नमूनों की राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली तथा हाफिकन संस्थान, बम्बई में भी जांच की गई है । ग्वालियर स्थित डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशाला भी नमूनों के विश्लेषण में सहायता कर रहा है ।

विवरण उपाबन्ध–I

राज्य	संभावित रोगी	मौतें
महाराष्ट्र	596	शून्य
गुजरात	151	52
दिल्ली	68	1
कर्नाटक	50	1
उत्तर प्रदेश	10	शून्य
मध्य प्रदेश	1	शून्य
	876	54

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान से मिली रिपोर्ट